7. Explain the concept of religious pluralism in the philosophy of religion.

धर्म-दर्शन में धार्मिक बहुलतावाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

8. Discuss the concept of liberation (Nirvana or Moksha) in Indian philosophy.

भारतीय दर्शन में मुक्ति (निर्वाण अथवा मोक्ष) की अवधारणा की चर्चा कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2323 **L**

Unique Paper Code : 2102203602

Name of the Paper : Philosophical Understanding of Religion (DSC-12)

Name of the Course : **NEP-B.A. (Prog.)**

Semester : VI

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **FIVE** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Critically analyse the nature and scope of the philosophy of religion as an independent discipline. How does it differ from, yet remain related to, religion as a lived experience?

धर्म-दर्शन की प्रकृति और क्षेत्र का एक स्वतंत्र अनुशासन के रूप में समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। यह एक जीवंत अनुभव के रूप में धर्म से किस प्रकार भिन्न है, फिर भी उससे संबंधित है?

2. Explain the concept of Dharma in the context of Indian Philosophy of Religion.

भारतीय धर्म-दर्शन के परिप्रेक्ष्य में धर्म की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

3. Critically examine the metaphysical attributes of God such as omnipotence, omniscience, and omnibenevolence. Are these attributes mutually consistent? Justify your answer.

ईश्वर के तत्त्वमीमांसात्मक गुणों जैसे सर्वशक्तिमत्ता, सर्वज्ञता और पूर्ण-कल्याणकारिता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। क्या ये गुण परस्पर संगत हैं? अपने उत्तर को तर्कसंगत रूप से प्रमाणित कीजिए।

4. What is the problem of evil? Explain the distinction between natural evil and moral evil.

अशुभ की समस्या क्या है? प्राकृतिक अशुभ और नैतिक अशुभ के बीच भेद स्पष्ट कीजिए।

5. Critically evaluate W.K. Clifford's epistemological position that "it is wrong always, everywhere, and for anyone, to believe anything upon insufficient evidence." Does this principle leave any room for religious faith? Discuss with arguments.

डब्ल्यू. के. क्लिफर्ड की इस ज्ञानमीमांसात्मक स्थिति का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए कि "अपर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर विश्वास करना सदैव, सर्वत्र और सभी के लिए गलत है।" क्या यह सिद्धांत धार्मिक आस्था के लिए कोई स्थान छोड़ता है? तर्कों सहित चर्चा कीजिए।

6. "Faith and reason are complementary in religion." Discuss.

"धर्म में आस्था और तर्क एक-दूसरे के पूरक हैं।" विवेचना कीजिए।